Series SSO

Code No. कोड नं. **2/1**

Roll No. रोल नं. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बाज़ार ने, विज्ञापन ने हिन्दी को एक क्रांतिकारी रूप दिया, जिसमें रवानगी है, स्वाद है, रोमांच है, आज की सबसे बड़ी चाहत का अकूत संसार है । इस तरह हिन्दी भविष्य की भाषा, समय का तकाज़ा और रोज़गार की ज़रूरत बनती जा रही है ।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता है । सूचना-क्रांति ने विश्व को ग्राम बना दिया है । मीडिया की जागरूकता ने समाज में एक क्रांति ला दी है और इस क्रांति की भाषा हिन्दी है । इतने सारे समाचार चैनल हैं और सभी चैनलों पर हिन्दी अपने हर रूप में नए कलेवर, तेवर में निखर कर, सँवरकर, लहरकर, 'बोले तो बिंदास बनकर छाई रहती है ।' तुलनात्मक अर्थों में आज अंग्रेज़ी-पत्रकारिता से हिन्दी-पत्रकारिता का मूल्य, बाज़ार, उत्पादन, उपभोग और वितरण बहुत बड़ा है ।

प्रिंट मीडिया की स्थिति ज़्यादा बेहतर है, पत्र-पत्रिकाओं की लाखों प्रतियाँ रोज़ाना बिकती हैं । चीन के बाद सबसे अधिक अख़बार हमारे यहाँ पढ़े जाते हैं, हिन्दी के संप्रेषण की यह मानवीय, रचनात्मक और सारगर्भित उपलब्धि है । पत्र-पत्रिकाएँ हिन्दी की गुणवत्ता और प्रचार-प्रसार के लिए कृतसंकल्प हैं । यह भ्रम फैलाया गया था कि हिन्दी रोज़गारोन्मुखी नहीं है । आज सरकारी, ग़ैर-सरकारी क्षेत्रों में करोड़ों हिन्दी पढ़े-लिखे लोग आजीविका कमा रहे हैं । भविष्य में हिन्दी की बाज़ार-माँग और अधिक होगी ।

पसीनों में, प्रार्थनाओं में, सिरहानों की सिसकियों में और हमारे सपनों में जब तक हिन्दी रहेगी तब तक वह बिना किसी पीड़ा या रोग के सप्राण, सवाक् और सस्वर रहेगी ।

(क) उपर्युक्त अवतरण के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) लोकतंत्र का चौथा स्तंभ किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(ग) तुलनात्मक दृष्टि से हिन्दी और अंग्रेज़ी पत्रकारिता में लेखक ने किसे व्यापक माना है और क्यों ? *2*

(घ) हिन्दी पर रोज़गारपरक न होने का आक्षेप क्यों ठीक नहीं है ? *2*

(ङ) बाज़ार ने हिन्दी के स्वरूप को क्या विशेषताएँ दीं जिनसे वह रोज़गार की ज़रूरत बनती जा रही है ? *2*

(च) 'प्रिंट मीडिया' से क्या तात्पर्य है ? हिन्दी के लिए उसकी पत्र-पत्रिकाएँ क्या कर रही हैं ? *2*

(छ) विश्व को ग्राम बना देने का आशय समझाइए । *1*

(ज) 'सरकारी' और 'अतीत' शब्दों के विलोम लिखिए । *1*

(झ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची बताइए – 'समय' तथा 'प्रार्थना' । *1*

(ञ) 'जागरूकता' एवं 'संप्रेषण' शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कुछ लिखके सो, कुछ पढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो !
जैसा उठा वैसा गिरा जाकर बिछौने पर,
तिफ़्ल जैसा प्यार यह जीवन-खिलौने पर,
बिना समझे, बिना बूझे खेलते जाना,
एक ज़िद को जकड़ लेकर ठेलते जाना,
ग़लत है, बेसूद है, कुछ रचके सो, कुछ गढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो !

दिन-भर इबारत पेड़, पत्ती और पानी की,
बंद घर की, खुले-फैले खेत धानी की,
हवा की बरसात की हर ख़ुश्क की, तर की,
गुज़रती दिन भर रही जो आपकी, पर की,
उस इबारत के सुनहरे वर्क़ से मन मढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो !
लिखा सूरज ने किरन की कलम लेकर जो,
नाम लेकर जिसे पंछी ने पुकारा वो,
हवा जो कुछ गा गई, बरसात जो बरसी,
जो इबारत लहर बनकर नदी पर बरसी,
उस इबारत की अगरचे सीढ़ियाँ हैं, चढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो !

(क) सोने से पहले क्या कर लेना चाहिए ? *1*

(ख) कवि ने किसको 'ग़लत' और 'बेसूद' कहा है ? *2*

(ग) प्रकृति का लेख लिखने में किस-किसका योगदान है ? *1*

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए — जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो ! *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर निबन्ध लिखिए : *5*

(क) भारत का एक अतीत भी है और भविष्य भी

(ख) युवा पीढ़ी और देश का भविष्य

(ग) हम खेलों में पिछड़े क्यों हैं

(घ) मीडिया का सामाजिक दायित्व

4. स्कूल जाने की उम्र में बच्चों को काम करते, और भीख माँगते, देखकर आपको कैसा लगता है ? अपने विचारों को किसी प्रतिष्ठित दैनिक के संपादक के नाम पत्र के रूप में लिखिए । *5*

अथवा

अपने किसी प्रिय टी.वी. कार्यक्रम की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उस चैनल विशेष के कार्यक्रम अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : *5*

(i) स्तंभ-लेखन का क्या तात्पर्य है ?

(ii) अंशकालिक संवाददाता किसे कहा जाता है ?

(iii) 'एंकर बाइट' से आप क्या समझते हैं ?

(iv) पत्रकारिता में 'बीट' किसे कहा जाता है ?

(v) संपादकीय में संपादक/लेखक का नाम क्यों नहीं दिया जाता है ?

(ख) 'बढ़ती आबादी — देश की बरबादी' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

अथवा

सड़कों पर दिन-प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाओं के कारणों पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

6. 'आतंकवाद की समस्या' **अथवा** 'चुनावी वायदे' विषय पर फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2+2=8*

यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल !
फिर-फिर
बार-बार गर्जन
वर्षण है मूसलाधार,
हृदय थाम लेता संसार,
सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार ।

(क) बादलों को 'विप्लव के बादल' क्यों कहा गया है ?

(ख) बादलों की युद्ध-नौका में क्या भरा है ? उसका लाभ किन्हें और कैसे मिलेगा ?

(ग) नवजीवन की आशा में कौन सिर उठाए हुए हैं ? उन्हें क्रांति का लाभ किस प्रकार प्राप्त होगा ?

(घ) संसार बादल के किस रूप से त्रस्त है ?

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ॥
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही । जौं जड़ दैव जिआवै मोही ॥
जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ॥
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ॥
अब अपलोकु सोकु सुत तोरा । सहिहि निठुर कठोर उर मोरा ॥

(क) भाई के बिना जीवन की तुलना किनसे की गई है और क्यों ?

(ख) काव्यांश के आधार पर राम के व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि राम किसकी अपेक्षा भाई को अधिक महत्त्व दे रहे हैं और क्यों ।

(घ) 'जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई' कथन के पीछे निहित भावना पर टिप्पणी कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है ।

(क) अमावस्या के लिए प्रयुक्त विशेषणों से काव्यार्थ में क्या विशेषता आई है ?

(ख) 'मैं तुम्हें भूल जाना चाहता हूँ' — इस सामान्य कथन को व्यक्त करने के लिए कवि ने क्या युक्ति अपनाई है ?

(ग) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ज़ोर ज़बर्दस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !

हार कर मैंने उसे कील की तरह
उसी ज़गह ठोंक दिया ।
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा —
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) बात की चूड़ी मर जाने और बेकार घूमने से कवि क्या कहना चाहता है ?

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त दोनों उपमाओं के प्रयोग-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या अभिप्राय है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) क्रांति की गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है ? उनका मुख ढाँपना किस मानसिकता का द्योतक है ? 'बादल राग' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में निहित व्यंग्य को उजागर कीजिए ।

(ग) 'फ़िराक़' की रुबाइयों में उभरे घरेलू जीवन के बिंबों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. नीचे दिए हुए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2+2=8*

एक राजनीतिज्ञ पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है । अपनी जनता से व्यवहार करते समय, राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है न प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी ही होती है, जिससे वह सबकी अलग-अलग आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर वांछित व्यवहार अलग-अलग कर सके । वैसे भी आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक तथा औचित्यपूर्ण क्यों न हो, 'मानवता' के दृष्टिकोण से समाज को दो वर्गों या श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता । ऐसी स्थिति में, राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार में एक व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है, कि सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार किया जाए ।

(क) राजनीतिज्ञ को व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता क्यों रहती है ? यह सिद्धांत क्या हो सकता है ?

(ख) राजनीतिज्ञ की विवशता क्या होती है ?

(ग) भिन्न व्यवहार मानवता की दृष्टि से उपयुक्त क्यों नहीं होता ?

(घ) समाज के दो वर्गों से क्या तात्पर्य है ? वर्गानुसार भिन्न व्यवहार औचित्यपूर्ण क्यों नहीं होता ?

अथवा

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो, और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब खाली, पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उसके पास पहुँच जाएगा । कहीं हुई उस वक़्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है । जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फ़ैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि ख़लल ही डालती है ।

(क) बाज़ार के जादू को रूप का जादू क्यों कहा गया है ?

(ख) बाज़ार के जादू की मर्यादा स्पष्ट कीजिए ।

(ग) बाज़ार का जादू किस प्रकार के लोगों को लुभाता है ?

(घ) इस जादू के बंधन से बचने का क्या उपाय हो सकता है ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3+3+3=12*

(क) चार्ली चैपलिन कौन था ? उसके 'भारतीयकरण' से लेखक का क्या आशय है ?

(ख) 'भक्तिन अच्छी है पर उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं ।' इस कथन के समर्थन में तीन तर्क दीजिए ।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए कि जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार सही ठहराया ।

(घ) लुट्टन के राज पहलवान लुट्टन सिंह बन जाने के बाद की दिनचर्या पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) "'नमक' कहानी में भारत-पाक के बीच आरोपित भेदभाव के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) अपने निवास के निकट पहुँचकर वाई.डी. पंत को क्यों लगा कि वे किसी ग़लत जगह पर आ गए हैं ? पूरे आयोजन में उनकी मनःस्थिति पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'जूझ' कहानी में चित्रित ग्रामीण जीवन का संक्षिप्त वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर महिलाओं के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों पर प्रकाश डालिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *2+2=4*

(क) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर 'जो हुआ होगा' वाक्यांश के विभिन्न अर्थों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।' टिप्पणी कीजिए ।

(ग) दादा ने मन मारकर अपने बच्चे को स्कूल भेजने की बात मान तो ली, पर खेती-बाड़ी के बारे में उससे क्या-क्या वचन लिए ? 'जूझ' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

14. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर पीढ़ियों के अंतराल के कारणों पर प्रकाश डालिए । क्या इस अंतराल को कुछ पाटा जा सकता है ? कैसे ? स्पष्ट कीजिए । *5*

अथवा

"पुरातत्त्व के निष्प्राण चिह्नों के आधार पर युग-विशेष के आबाद घरों, लोगों और उनकी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक गतिविधियों का पुख़्ता अनुमान किया जा सकता है ।" 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।